RNI No#MPBIL/2013/49052

INVESTMENT AVENUES®

इन्वेस्टमेंट ऐवेन्यूस

भोपाल, शनिवार 04 से 10 जुलाई 2026 | भोपाल , मध्यप्रदेश से प्रकाशित | वर्ष- 14 | अंक-99 | पृष्ठ- 8 | मूल्य- रु. 5 /-

Modi Hosts Japanese PM Sanae Takaichi: 16th India-Japan Summit Strengthens Strategic & Economic Partnership

Bilateral Ties Reach New Heights with Focus on Defence, Tech & Infrastructure; Investors Eye Defence, Auto & Infra Stocks for Long-Term Gains

New Delhi: Prime Minister Narendra Modi hosted Japanese Prime Minister Sanae Takaichi for the 16th India-Japan Annual Summit, marking a significant milestone in deepening bilateral cooperation. The high-level talks emphasised enhanced collaboration in defence, emerging technologies, semiconductors, high-speed rail, and clean energy, reinforcing the Comprehensive Strategic Partnership between the world's largest and third-largest economies.

Discussions covered supply chain resilience, Quad framework, and joint infrastructure projects. Japan reiterated support for India's infrastructure ambitions, including the Mumbai-Ahmedabad Bullet Train. Both leaders agreed to boost trade and investment flows, with Japan committing to greater FDI in manufacturing and technology sectors.

The summit outcomes are positive for defence (HAL, Bharat Electronics, Mazagon Dock), auto & components (Maruti Suzuki, Ashok Leyland), infrastructure & rail (L&T, RVNL, IRCON), and semiconductor-related plays

Stronger ties will accelerate order inflows and technology transfers..

Long-term investors should track India-Japan aligned sectors amid rising strategic cooperation. Accumulate quality names on dips, monitor joint project announcements, and maintain diversification. This partnership underscores India's growing global stature and creates sustained opportunities in capex-driven themes.

The summit reflects shared commitment to a free, open Indo-Pacific and mutual economic prosperity, setting the stage for robust growth in bilateral trade and investment in the coming years.

MSME Day 2026: सीएम मोहन यादव ने घोषित किया 'युवा वर्ष 2027', ₹1,274 करोड़ का इंडस्ट्री सपोर्ट और भोपाल में GIS

मध्य प्रदेश में MSME और युवा उद्यमिता को नई उड़ान, बड़े निवेश और रोजगार सृजन के नए अवसर

नई दिल्ली: अंतरराष्ट्रीय एमएसएमई दिवस के अवसर पर मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने उद्यमियों को मजबूत बनाने वाली अनेक घोषणाएं कीं। उन्होंने वर्ष 2027 को 'युवा वर्ष' के रूप में मनाने की घोषणा की। साथ ही जनवरी 2027 में भोपाल में ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट (जीआईएस) आयोजित करने का ऐलान किया, जिसके लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को आमंत्रित किया जाएगा।

'सशक्त उद्यमी, समृद्ध मध्य प्रदेश' शिखर सम्मेलन में सीएम यादव ने ₹1,274 करोड़ की वित्तीय सहायता का वितरण किया। इस राशि से 760 से अधिक एमएसएमई इकाइयों को प्रोत्साहन मिला। इसके अलावा 137 स्टार्टअप्स को ₹1.5 करोड़ की सहायता प्रदान की गई।

ये घोषणाएं प्रदेश में एमएसएमई क्षेत्र को बढ़ावा देने, युवा उद्यमिता को प्रोत्साहित करने और औद्योगिक विकास को गति देने की दिशा में महत्वपूर्ण हैं। मुख्यमंत्री ने एमएसएमई इकाइयों, स्टार्टअप्स, कारीगरों और श्रमिकों की सराहना की तथा उन्हें राज्य के विकास का आधार बताया।

मध्य प्रदेश सरकार उद्योगों को आकर्षित करने, रोजगार सृजन और निवेश वृद्धि पर लगातार काम कर रही है। जीआईएस 2027 भोपाल को निवेश का प्रमुख गंतव्य बनाने में सहायक सिद्ध होगा। 'युवा वर्ष' के तहत युवाओं को कौशल विकास, उद्यमिता प्रशिक्षण और वित्तीय सहायता उपलब्ध कराई जाएगी।

यह आयोजन एमएसएमई क्षेत्र की चुनौतियों का समाधान करने और उन्हें वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी बनाने का माध्यम बनेगा। प्रदेश में औद्योगिक इकोसिस्टम मजबूत होने से आर्थिक विकास को नई गति मिलेगी।

Adani and IHC to Forge $11.5 Billion Aluminium Unit: Major Expansion in Metals and Downstream Manufacturing

Investment Opportunity in Aluminium and Metals Sector: Strategic Partnership to Boost Domestic Production and Global Competitiveness

Ahmedabad: The Adani Group and Abu Dhabi's International Holding Company (IHC) have announced plans to establish a $11.5 billion aluminium manufacturing facility in India. The integrated project will include alumina refining, smelting, and downstream value-added products, making it one of the largest greenfield aluminium investments in the country.

The joint venture aims to leverage India's bauxite resources and reduce the nation's reliance on imported aluminium. The unit will support key industries such as electric vehicles, renewable energy infrastructure, packaging, and construction, where demand for aluminium is growing rapidly. The project is also expected to create thousands of direct and indirect jobs and contribute significantly to the Atmanirbhar Bharat initiatives.

This announcement is positive for the Adani Group and the broader metals and mining sector. A large-scale aluminium project of this magnitude can provide long-term revenue visibility and operational synergies with Adani's existing energy and infrastructure businesses. Investors can view this as a strategic move to capitalise on India's industrial growth and global aluminium demand.

Long-term investors should monitor project execution, raw material sourcing, environmental clearances, and global aluminium price trends. The partnership also highlights increasing interest from Gulf sovereign wealth funds in India's strategic and manufacturing sectors.

हीरो मोटोकॉर्प आंध्र प्रदेश में 3,200 करोड़ रुपये लगाएगी: 3-5 साल में बड़ा निवेश, रोजगार और इंडस्ट्री को मिलेगा बढ़ावा

दोपहिया वाहन सेक्टर में विस्तार, आंध्र प्रदेश को नया औद्योगिक हब बनाने की दिशा में अहम कदम

मुंबई: हीरो मोटोकॉर्प ने आंध्र प्रदेश में अगले 3-5 वर्षों में 3,200 करोड़ रुपये का निवेश करने की घोषणा की है। यह निवेश नई विनिर्माण इकाई, रिसर्च एंड डेवलपमेंट सेंटर और सप्लाई चेन विस्तार पर केंद्रित रहेगा।

हीरो मोटोकॉर्प भारत की सबसे बड़ी दोपहिया वाहन कंपनी है। आंध्र प्रदेश में यह निवेश राज्य की औद्योगिक विकास यात्रा को नई गति देगा। कंपनी इलेक्ट्रिक वाहनों, हाई-पर्फॉर्मेंस इंजन और सस्टेनेबल मोबिलिटी प्रोडक्ट्स पर फोकस करेगी। इससे हजारों प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार सृजित होंगे।

आंध्र प्रदेश सरकार ने हीरो को बेहतर इंसेंटिव और इंफ्रास्ट्रक्चर सपोर्ट देने का आश्वासन दिया है। यह निवेश राज्य को ऑटोमोबाइल हब बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

हीरो मोटोकॉर्प का यह निवेश ऑटोमोबाइल और इलेक्ट्रिक वाहन सेक्टर के लिए सकारात्मक है। आंध्र प्रदेश में बढ़ते निवेश से सप्लाई चेन कंपनियों और लोकल इंडस्ट्री को भी फायदा पहुंचेगा।

निवेशक हीरो मोटोकॉर्प और संबंधित ऑटो कंपोनेंट कंपनियों पर नजर रखें। लंबी अवधि में इलेक्ट्रिक मोबिलिटी और दोपहिया वाहन सेक्टर में अच्छी ग्रोथ की उम्मीद है। निवेशक प्रोजेक्ट की प्रगति और राज्य सरकार की नीतियों पर ध्यान दें। यह घोषणा आंध्र प्रदेश को निवेश गंतव्य के रूप में और आकर्षक बनाएगी।

Domestic Car Sales Surge in June on Tax Cuts, Lower Interest Rates & Strong Demand

Auto Sector Revival Signals Economic Momentum: Strong June Sales Reflect Consumer Confidence and Policy Support

Bhopal: Domestic car sales witnessed a strong surge in June, driven by government tax cuts, lower interest rates, and robust consumer demand. Major automakers reported double-digit growth in passenger vehicle sales compared to the previous year, with SUVs and electric vehicles leading the rally.

Industry executives attributed the uptick to attractive financing schemes, festive season demand, and improved rural sentiment. The recent reduction in GST on certain vehicle segments also played a key role in boosting affordability and stimulating purchases. Electric vehicle sales, in particular, continued their upward trajectory supported by FAME incentives and expanding charging infrastructure.

The sharp rise in domestic car sales is a positive development for the Indian automobile sector. Companies with strong product portfolios in SUVs and EVs are well-positioned to capitalise on this momentum. As the automobile sector is an indicator of the economy, it is a good sign for our nation, reflecting improving consumer confidence and economic activity.

Long-term investors can consider selective exposure to auto stocks, auto ancillary companies, and related financial services firms. However, they should remain mindful of raw material price volatility and global supply chain risks. Overall, the sector's recovery bodes well for broader economic growth in the coming quarters.

पेप्सिको का उज्जैन में दूसरा फ्लेवर प्लांट शुरू: ₹1,266 करोड़ का निवेश, MP को मिलेगा बड़ा बूस्ट

खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र में नया युग, रोजगार सृजन के लिए आकर्षक अवसर; PepsiCo का आत्मनिर्भर भारत को समर्थन

उज्जैन: पेप्सिको इंडिया ने मध्य प्रदेश के उज्जैन में अपना दूसरा फ्लेवर मैन्युफैक्चरिंग प्लांट शुरू कर दिया है। इस परियोजना पर कंपनी ने ₹1,266 करोड़ का भारी निवेश किया है। 22 एकड़ में फैला यह अत्याधुनिक प्लांट पेप्सिको की भारत में विस्तार रणनीति का महत्वपूर्ण हिस्सा है और 2030 तक कंपनी के कुल ₹5,700 करोड़ निवेश प्रतिबद्धता का अंग है।

इस प्लांट में आधुनिक मशीनरी और टेक्नोलॉजी से विभिन्न बेवरेज फ्लेवर्स का उत्पादन होगा, जो कंपनी की पूरे भारत में डिमांड को पूरा करेगा। पेप्सिको ने स्थानीय कच्चे माल जैसे फल, अनाज और अन्य सामग्री के उपयोग पर जोर दिया है, जिससे किसानों को सीधा लाभ पहुंचेगा और सप्लाई चेन मजबूत बनेगी। प्लांट के शुरू होने से सैकड़ों प्रत्यक्ष रोजगार सृजित होंगे तथा हजारों अप्रत्यक्ष नौकरियां पैदा होंगी। सेमध्य प्रदेश सरकार के साथ यह साझेदारी राज्य की औद्योगिक विकास नीति और निवेश मित्र योजना को मजबूती देगी। उज्जैन का चयन इसकी रणनीतिक लोकेशन, बेहतर कनेक्टिविटी और उपलब्ध मानव संसाधन के कारण हुआ। पीएम मोदी के आत्मनिर्भर भारत अभियान के अनुरूप यह निवेश विदेशी पूंजी प्रवाह को बढ़ावा देगा और मेक इन इंडिया को नई गति प्रदान करेगा।

FMCG, खाद्य प्रसंस्करण, पैकेजिंग और लॉजिस्टिक्स सेक्टर को बड़ा फायदा। पेप्सिको के साथ जुड़ी कंपनियां जैसे टाटा कंज्यूमर, ITC, हिंदुस्तान यूनिलीवर, नेस्ले तथा लोकल सप्लायर्स के शेयरों में सकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है। डेटा सेंटर और सप्लाई चेन टेक कंपनियां भी लाभान्वित होंगी।

लंबी अवधि के निवेशक FMCG और उपभोक्ता सामान कंपनियों पर नजर रखें। भारत की बढ़ती युवा आबादी और ग्रामीण अर्थव्यवस्था के विस्तार से इस क्षेत्र की संभावनाएं मजबूत हैं। पेप्सिको जैसे ग्लोबल प्लेयर्स का निवेश बाजार के विश्वास को दर्शाता है। निवेशक कंपनी की प्रगति, नए प्रोजेक्ट्स और तिमाही नतीजों पर

नजर रखें। विविधीकरण बनाए रखें और मजबूत फंडामेंटल वाली कंपनियों में निवेश करें।

Vision Invest Tech Private Limited
ARN: 10613 | AMFI Registered Mutual Fund Distributor
(+91)7389912025 visionadvisorymkt@gmail.com

Vision Invest Tech Private Limited
ARN: 10613 | AMFI Registered Mutual Fund Distributor
(+91)7389912025 visionadvisorymkt@gmail.com

NFO Alert: Invesco Mutual Fund Launches Equity Long-Short Fund under Summit SIF Platform

Sophisticated Strategy for Volatile Markets: New SIF Aims to Deliver Risk-Adjusted Returns Through Long-Short Equity Approach

Mumbai: Invesco Mutual Fund has announced the launch of its Equity Long-Short Fund under the Summit Specialized Investment Fund (SIF) platform. This marks the latest addition to Invesco's growing suite of alternative investment products designed for sophisticated investors seeking returns beyond traditional long-only equity or debt funds.

The new fund will employ a hybrid long-short strategy, taking long positions in fundamentally attractive stocks while simultaneously shorting overvalued or weak stocks. The strategy aims to generate absolute returns with lower correlation to broader market movements, making it a potential diversifier during periods of high volatility or sideways markets. The fund will focus on bottom-up stock selection supported by quantitative models and rigorous fundamental research.

SIFs, a relatively new category in India, offer greater flexibility compared to conventional mutual funds, including higher limits on derivatives usage and the ability to take short positions. Invesco's Summit platform is positioned to cater to high-net-worth individuals and institutional investors looking for innovative, skill-based strategies.

The launch of this equity long-short SIF provides an interesting option for investors navigating uncertain market conditions. Long-short strategies can potentially deliver more consistent returns by reducing market beta while still capturing alpha through stock selection.

However, these funds are complex and carry higher risks due to the use of leverage and short selling. They are best suited for investors with a high-risk appetite and a thorough understanding of alternative investment products.

Investors should carefully review the fund's investment objectives, risk factors, and the fund manager's track record before allocating capital.

As the Indian mutual fund industry matures, products like this SIF are likely to gain traction among investors seeking sophisticated solutions for portfolio diversification and absolute return generation.

Voltas Gears Up to Start AC Exports to Tap Growing Demand in Europe and Middle East

Strategic Export Push: Voltas Aims to Capitalise on Rising Global Demand for Energy-Efficient Air Conditioners

New Delhi: Voltas Ltd, a leading Indian air conditioning and engineering company, is preparing to commence exports of air conditioners to Europe and the Middle East. The move is part of the company's strategy to tap into growing international demand for energy-efficient and sustainable cooling solutions.

Voltas has been strengthening its manufacturing capabilities and product portfolio to meet global standards. The company plans to export a range of inverter ACs, smart ACs, and energy-efficient models that comply with stringent international energy norms. Europe's focus on green building standards and the Middle East's extreme climatic conditions are expected to drive demand for high-quality air conditioning products.

The company is investing in R&D, quality control, and supply chain optimisation to ensure competitiveness in international markets. Voltas aims to leverage its strong brand reputation and Tata Group backing to establish a significant presence in these regions.

This export initiative is a positive development for Voltas. Expanding into international markets can provide new revenue streams and reduce dependence on the domestic market. As global temperatures rise and awareness about energy efficiency increases, demand for advanced ACs is likely to grow steadily.

Investors can view this as a long-term growth driver for the company. However, they should monitor execution challenges, currency fluctuations, and competition in international markets.

Overall, Voltas' strategic push into exports aligns well with the broader trend of Indian companies going global and capitalising on their manufacturing strengths.

NPCI Partners with HSBC India to Enable Real-Time FX Settlement for Global UPI Payments

UPI Goes Global: Real-Time Foreign Exchange Settlement to Simplify Cross-Border Transactions and Boost Digital Payments

Mumbai: The National Payments Corporation of India (NPCI) has partnered with HSBC India to introduce real-time foreign exchange (FX) settlement for global UPI payments. This collaboration marks a significant step in expanding UPI's international reach and making cross-border transactions faster and more efficient.

The new system will enable instant conversion and settlement of payments in multiple currencies, reducing the time and cost associated with traditional international money transfers. It is expected to benefit Indian diaspora, tourists, NRIs, and businesses engaged in global trade by making UPI a more viable option for overseas payments.

HSBC India will provide the banking and

FX infrastructure, while NPCI will leverage its robust UPI platform to ensure seamless integration. The partnership is seen as a major milestone in India's journey towards making UPI a global payment standard.

This development is positive for the fintech and payments ecosystem in India. Companies involved in cross-border payments, digital banking, and financial technology are likely to benefit from the increased adoption of UPI globally. Investors can view this as a step towards strengthening India's digital payment leadership on the world stage. Long-term investors should monitor the impact on transaction volumes and the expansion of UPI's international footprint.

कोल इंडिया ने यूपी में 2831 करोड़ रुपये का 600 MW सोलर प्लांट सौदा हासिल किया

जलौन सोलर पार्क में दो चरणों वाला प्रोजेक्ट, 18 माह में पूरा करेगी कंपनी; ₹2.73 प्रति यूनिट टैरिफ पर बिजली सप्लाई

जलौन: कोल इंडिया लिमिटेड (सीआईएल) ने उत्तर प्रदेश में हरित ऊर्जा क्षेत्र को मजबूत करने वाला बड़ा कदम उठाया है। कंपनी ने 2831.11 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत वाले 600 मेगावाट क्षमता के सोलर पावर प्लांट का सौदा हासिल कर लिया है। यह परियोजना राज्य के जलौन सोलर पार्क में विकसित की जाएगी और कोल इंडिया की नवीकरणीय ऊर्जा विस्तार रणनीति का महत्वपूर्ण हिस्सा बनेगी।

बुंदेलखंड सौर ऊर्जा लिमिटेड (बीएसयूएल) ने इस परियोजना के लिए कोल इंडिया को लेटर ऑफ अवॉर्ड जारी किया है। बीएसयूएल एनएचपीसी लिमिटेड और उत्तर प्रदेश नवीकरणीय ऊर्जा विकास एजेंसी (यूपीनेडा) का संयुक्त उद्यम है। प्रोजेक्ट को दो चरणों में 300-300 मेगावाट की क्षमता के साथ लागू किया जाएगा। बिजली की सप्लाई ₹2.73 प्रति यूनिट की दर पर होगी। पूरा प्रोजेक्ट पावर परचेज एग्रीमेंट (पीपीए) साइन होने के 18 महीनों के भीतर पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है।

कोल इंडिया जैसे पारंपरिक कोयला उत्पादक पीएसयू का सौर ऊर्जा क्षेत्र में यह प्रवेश देश की ऊर्जा सुरक्षा और पर्यावरण संरक्षण की दिशा में सकारात्मक संकेत देता है। उत्तर प्रदेश में बढ़ती बिजली मांग को ध्यान में रखते हुए यह परियोजना राज्य की नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता को बढ़ाएगी। जलौन सोलर पार्क पहले से ही सौर ऊर्जा हब के रूप में उभर रहा है और इस नए प्लांट से यहां की कुल उत्पादन क्षमता में उल्लेखनीय वृद्धि होगी।

परियोजना के निर्माण चरण में स्थानीय स्तर पर रोजगार सृजन, इंजीनियरिंग, प्रोक्योरमेंट और निर्माण गतिविधियों को गति मिलेगी। सोलर पैनल, इन्वर्टर और अन्य उपकरणों की सप्लाई चेन सक्रिय होगी, जिससे संबंधित उद्योगों को लाभ पहुंचेगा। कोल इंडिया ने हाल के वर्षों में नवीकरणीय ऊर्जा पोर्टफोलियो को विस्तार देने पर जोर दिया है। यह सौदा उस दिशा में एक ठोस प्रगति दर्शाता है।

भारत सरकार की सौर ऊर्जा को बढ़ावा देने वाली नीतियों के अनुरूप यह परियोजना फिट बैठती है। देश नेट-जीरो लक्ष्यों की ओर बढ़ रहा है और ऐसे प्रोजेक्ट्स इसमें योगदान देंगे। कोल इंडिया की विशाल संसाधन क्षमता और परियोजना प्रबंधन अनुभव इस प्लांट को समय पर पूरा करने में सहायक सिद्ध होंगे।

कोल इंडिया का यह कदम कोयला आधारित अर्थव्यवस्था से सस्टेनेबल ऊर्जा मॉडल की ओर बदलाव का उदाहरण है। कुल मिलाकर, यह सौदा भारतीय ऊर्जा क्षेत्र के लिए एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर साबित होगा।

एसबीआई ने एआई पावर्ड बैंकिंग को नई ऊंचाई दी: रिटेल और कॉर्पोरेट ग्राहकों के लिए डिजिटल जर्नी शुरू

डिजिटल बैंकिंग में निवेश बढ़ने से एसबीआई की दक्षता और ग्राहक अनुभव में सुधार, फिनटेक थीम को मिलेगा बल

मुंबई: स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (SBI) ने एआई-पावर्ड बैंकिंग सेवाओं को और मजबूत करते हुए रिटेल और कॉर्पोरेट ग्राहकों के लिए नई डिजिटल जर्नी लॉन्च की हैं। इन नई सुविधाओं से ग्राहक अब और तेज, आसान और सुरक्षित तरीके से बैंकिंग सेवाएं ले सकेंगे।

नई डिजिटल जर्नी में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का इस्तेमाल कर पर्सनलाइज्ड ऑफर्स, तुरंत लोन अप्रूवल, फ्रॉड डिटेक्शन और बेहतर कस्टमर सपोर्ट शामिल है। रिटेल ग्राहकों के लिए होम लोन, क्रेडिट कार्ड और इन्वेस्टमेंट प्रोडक्ट्स की प्रक्रिया अब काफी सरल हो गई है। वहीं कॉर्पोरेट ग्राहकों को ट्रेजरी मैनेजमेंट, सप्लाई चेन फाइनेंस और फॉरेन एक्सचेंज सेवाओं में AI आधारित एनालिटिक्स का फायदा मिलेगा।

एसबीआई के चेयरमैन ने कहा कि डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन बैंक की प्राथमिकता है और AI का उपयोग ग्राहक अनुभव को बेहतर बनाने के लिए किया जा रहा है।

एसबीआई का यह कदम फिनटेक और डिजिटल बैंकिंग सेक्टर के लिए सकारात्मक है। AI और डिजिटल टूल्स के इस्तेमाल से बैंक की ऑपरेशनल दक्षता बढ़ेगी और लागत कम होगी।

निवेशक एसबीआई और अन्य पब्लिक सेक्टर बैंकों पर नजर रखें। लंबी अवधि में डिजिटल बैंकिंग थीम अच्छा रिटर्न दे सकती है। हालांकि, साइबर सिक्योरिटी और डेटा प्राइवेसी जैसे मुद्दों पर सतर्कता बरतनी होगी।

यह पहल एसबीआई को और अधिक आधुनिक और ग्राहक-केंद्रित बैंक बनाने की दिशा में एक बड़ा कदम है।

भारती एयरटेल की एनबीएफसी आर्म ने शुरू किया व्यावसायिक परिचालन: फिनटेक और डिजिटल फाइनेंस को नई गति

टेलीकॉम से फिनटेक की ओर विस्तार, ग्राहक डेटा और नेटवर्क का फायदा उठाकर नए अवसर

नई दिल्ली: भारती एयरटेल की NBFC आर्म एयरटेल फाइनेंस ने अपना व्यावसायिक परिचालन शुरू कर दिया है। यह कदम कंपनी की डिजिटल फाइनेंशियल सेवाओं को मजबूत करने की दिशा में एक बड़ा कदम है।

एयरटेल फाइनेंस ग्राहकों को लोन, क्रेडिट कार्ड, इंश्योरेंस और अन्य फाइनेंशियल प्रोडक्ट्स की आसान और डिजिटल पहुंच प्रदान करेगा। कंपनी का फोकस एयरटेल के विशाल ग्राहक आधार का उपयोग करके फिनटेक सेवाओं को बढ़ावा देना है। इससे ग्राहक अनुभव बेहतर होगा और कंपनी के लिए नए राजस्व स्रोत खुलेंगे।

एयरटेल फाइनेंस ने शुरुआत में पर्सनल लोन, बिजनेस लोन और इंश्योरेंस प्रोडक्ट्स पर फोकस किया है। कंपनी AI और डेटा एनालिटिक्स का उपयोग करके क्रेडिट स्कोरिंग और रिस्क मैनेजमेंट को और बेहतर बनाने की योजना बना रही है। एयरटेल के 40 करोड़ से ज्यादा ग्राहकों को यह नई सेवा आसानी से उपलब्ध होगी।

यह विकास भारती एयरटेल और समग्र फिनटेक सेक्टर के लिए सकारात्मक है। टेलीकॉम और फाइनेंशियल सेवाओं का संयोजन कंपनी को प्रतिस्पर्धात्मक बढ़त देगा।

निवेशक भारती एयरटेल के शेयरों पर नजर रखें। लंबी अवधि में डिजिटल फाइनेंशियल सेवाएं कंपनी के लिए महत्वपूर्ण राजस्व ड्राइवर बन सकती हैं। हालांकि, नियामकीय अनुपालन और क्रेडिट रिस्क पर सतर्कता बरतनी होगी।

कुल मिलाकर, एयरटेल फाइनेंस का शुरू होना भारतीय टेलीकॉम सेक्टर में फिनटेक इंटीग्रेशन का एक और उदाहरण है। यह कदम कंपनी को डिजिटल अर्थव्यवस्था के प्रमुख खिलाड़ी बनाने की दिशा में अहम साबित होगा।

कार्ल्सबर्ग ने भारत यूनिट का IPO फाइल किया: डेनिश ब्रूअर की भारतीय बाजार में बड़ी छलांग

अल्कोहलिक बेवरेज सेक्टर में अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी की एंट्री, FMCG और कंज्यूमर डिस्क्रिशनरी थीम को मिलेगा बढ़ावा

मुंबई: डेनिश ब्रूअर कार्ल्सबर्ग ने अपनी भारतीय यूनिट का आईपीओ फाइल कर दिया है। यह कदम कंपनी की भारत में विस्तार की रणनीति का हिस्सा है, जहां बीयर और अन्य अल्कोहलिक बेवरेज की मांग तेजी से बढ़ रही है।

कार्ल्सबर्ग इंडिया मुख्य रूप से प्रीमियम बीयर ब्रांड्स के तहत काम कर रही है। कंपनी ने पिछले कुछ वर्षों में भारत में अपनी उत्पादन क्षमता बढ़ाई है और स्थानीय बाजार की जरूरतों के अनुसार प्रोडक्ट्स विकसित किए हैं। आईपीओ से जुटाई गई पूंजी का उपयोग आगे विस्तार, ब्रांडिंग और मार्केटिंग में किया जाएगा।

भारतीय शराब बाजार तेजी से बढ़ रहा है। युवा उपभोक्ताओं में प्रीमियम और क्राफ्ट बीयर की मांग बढ़ने से अंतरराष्ट्रीय ब्रांड्स को अच्छा अवसर मिल रहा है। कार्ल्सबर्ग का आईपीओ इस सेक्टर में विदेशी कंपनियों की बढ़ती दिलचस्पी को दर्शाता है।

यह आईपीओ FMCG और कंज्यूमर डिस्क्रिशनरी सेक्टर के लिए सकारात्मक संकेत है। भारतीय बाजार में बढ़ती शहरीकरण, डिस्पोजेबल इनकम और युवा उपभोक्ताओं की बदलती पसंद से अल्कोहलिक बेवरेज सेक्टर में ग्रोथ की अच्छी संभावना है।

निवेशक कार्ल्सबर्ग इंडिया के आईपीओ पर नजर रखें। कंपनी की बाजार हिस्सेदारी, प्रोडक्ट पोर्टफोलियो और वित्तीय प्रदर्शन को ध्यान से देखें। लंबी अवधि के निवेशक FMCG और कंज्यूमर थीम पर फोकस कर सकते हैं।

कार्ल्सबर्ग का यह कदम भारत में विदेशी ब्रांड्स के बढ़ते निवेश का उदाहरण है और सेक्टर को नई गति दे सकता है। निवेशक आईपीओ के मूल्यांकन और सब्सक्रिप्शन रिस्पॉन्स पर नजर रखें।

रक्षा स्टार्टअप ऑटो और फ्रैकिंग सेक्टर से पार्ट्स खरीदकर हथियार उत्पादन तेज कर रहे

स्वदेशी रक्षा उत्पादन को गति, ऑटो और इंजीनियरिंग कंपनियों को नए ऑर्डर मिलने की संभावना

नई दिल्ली: भारतीय रक्षा स्टार्टअप अब ऑटोमोबाइल और फ्रैकिंग सेक्टर से पार्ट्स और कंपोनेंट्स खरीदकर हथियार तथा सैन्य उपकरणों का उत्पादन तेज कर रहे हैं। इस रणनीति से स्वदेशीकरण को बढ़ावा मिल रहा है और आयात पर निर्भरता कम हो रही है।

रक्षा स्टार्टअप्स को ऑटो सेक्टर से हाई-प्रेसिजन इंजन पार्ट्स, इलेक्ट्रॉनिक्स और मैकेनिकल कंपोनेंट्स आसानी से उपलब्ध हो रहे हैं। फ्रैकिंग सेक्टर से भी मजबूत मटेरियल्स और टूलिंग सिस्टम मिल रहे हैं। इससे उत्पादन लागत कम हो रही है और समय भी बच रहा है। 'मेक इन इंडिया' और आत्मनिर्भर भारत अभियान को इस ट्रेंड से मजबूत समर्थन मिल रहा है।

यह विकास रक्षा, ऑटोमोबाइल और इंजीनियरिंग सेक्टर के लिए सकारात्मक है। रक्षा स्टार्टअप्स के बढ़ते ऑर्डर से ऑटो कंपनियों की आय बढ़ सकती है।

निवेशक रक्षा इलेक्ट्रॉनिक्स, ऑटो कंपोनेंट्स और इंजीनियरिंग कंपनियों पर नजर रखें। लंबी अवधि में स्वदेशी रक्षा उत्पादन बढ़ने से इन सेक्टरों में अच्छी ग्रोथ की उम्मीद है। हालांकि, गुणवत्ता मानकों और समयबद्ध सप्लाई पर ध्यान देना जरूरी है।

OXMIQ ने जुटाए 35 मिलियन डॉलर: AI चिप डिजाइन लाइसेंसिंग पर जोर, Sovereign AI की मांग बढ़ने से नया अवसर

AI चिप डिजाइन क्षेत्र में भारतीय स्टार्टअप की उड़ान, सेमीकंडक्टर और AI इंफ्रा को मिलेगा बढ़ावा

बेंगलुरु: भारतीय AI चिप स्टार्टअप OXMIQ ने 35 मिलियन डॉलर (लगभग ₹290 करोड़) की फंडिंग जुटाई है। कंपनी AI चिप डिजाइन को लाइसेंस देने पर फोकस कर रही है। बढ़ती Sovereign AI मांग को देखते हुए यह फंडिंग कंपनी के विस्तार के लिए महत्वपूर्ण है।

ऑक्सएमआईक्यू AI-आधारित चिप डिजाइन विकसित करती है जो डेटा सेंटर, एज कंप्यूटिंग और मोबाइल डिवाइसेज में इस्तेमाल होती है। कंपनी इन डिजाइनों को ग्लोबल सेमीकंडक्टर कंपनियों को लाइसेंस दे रही है। भारत सरकार के इंडिया सेमीकंडक्टर मिशन और संप्रभु AI पर फोकस से इस क्षेत्र में स्टार्टअप्स को बढ़ावा मिल रहा है।

यह फंडिंग AI और सेमीकंडक्टर सेक्टर के लिए सकारात्मक है। ऑक्सएमआईक्यू जैसी कंपनियां भारत को AI चिप डिजाइन में आत्मनिर्भर बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं।

लंबी अवधि के निवेशक AI, सेमीकंडक्टर और डीपटेक थीम पर फोकस कर सकते हैं। सरकार की नीतियां और वैश्विक AI डिमांड से इस क्षेत्र में अच्छी ग्रोथ की उम्मीद है। निवेशक कंपनी के प्रोडक्ट पाइपलाइन और लाइसेंसिंग डील्स पर नजर रखें।

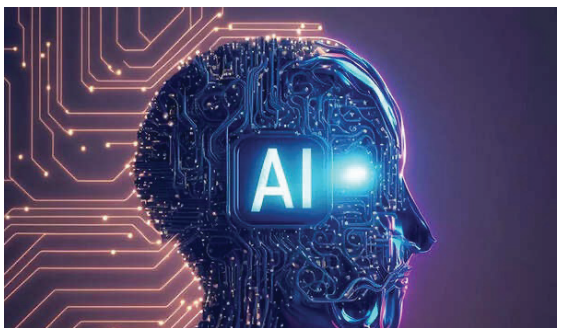

Dovetail Capital Secures ₹100 Crore Funding from Elev8 to Scale Asset Servicing Business

Growing AUM Industry Drives Demand for Efficient Asset Servicing Solutions

Mumbai: Asset servicing company Dovetail Capital has raised ₹100 crore in a funding round from Elev8. The capital will be used to strengthen its technology platform, expand service offerings, and scale operations to serve a larger base of mutual funds, alternative investment funds, and institutional clients.

Dovetail Capital provides comprehensive fund accounting, investor servicing, compliance, reporting, and middle-office solutions. The company has built a strong reputation for accuracy, regulatory compliance, and technology-driven efficiency in a sector that is critical to the smooth functioning of the asset management industry.

The funding comes at a time when India's asset management industry is experiencing robust growth in both traditional mutual funds and alternative asset classes. As AUM continue to rise, the need for reliable and scalable asset servicing partners is increasing rapidly.

The investment highlights the growing importance of the asset servicing and financial infrastructure space. Companies that can provide efficient, tech-enabled solutions to fund houses are well-positioned to benefit from the industry's expansion. Investors tracking the fintech and financial services sector can view Dovetail Capital's growth as part of the broader opportunity in supporting India's expanding asset management ecosystem.

While the company is still scaling, its focus on compliance and technology gives it a competitive edge. Long-term investors should monitor client additions, technology adoption, and overall industry AUM trends for sustained growth visibility.

WEEKLY STOCK PIVOT LEVEL

Anil Bhardwaj
Technical Head
anil.stockcare@gmail.com

AII level indicated above are based on future prices PP: Pivot Point: This is TRIGGER POINT for buy/sell Based on the price range of the previous Month, R1: Resistance one: 1st Resistance over PP; R2: resistance Two: 2nd Resistance over R1; S1: Support one: 1st support after PP; S2: Support Two: 2nd support after S1

• As per tool, trader should take Buy position just above pp and keep the stop loss of PP and 1st target would be R1
• If R1 is crossed then R2 becomes the next target with the stop loss at R1
• If R2 is crossed then R3 becomes the next target with the stop loss at R2.
• Similarly, if price goes below PP the trader should SELL price below PP as stop loss and the first target would be S1,
• If S1 is crossed then S2 becomes the next target with the stop loss at S1,
• If S2 is crossed then S3 becomes the next target with the stop loss at S2.

Stock Name	closing	R3	R2	R1	PP	S1	S2	S3
NIFTY	24271	25035	24706	24488	24159	23941	23612	23394
BANK NIFTY	57938	59254	58799	58368	57913	57482	57027	56596
SENSEX	77764	80324	79238	78501	77415	76678	75592	74855
FINNIFTY	26875	27730	27412	27143	26825	26556	26238	25969
MIDCAP	14546	15055	14855	14700	14500	14345	14145	13990
ACC	1394	1492	1443	1419	1370	1346	1297	1273
AXISBANK	1342	1432	1413	1377	1358	1322	1303	1267
ABCAPITAL	402	431	418	410	397	389	376	368
BHARTIARTL	1910	2018	1965	1938	1885	1858	1805	1778
BHEL	383	448	435	409	396	370	357	331
BIOCON	428	456	443	436	423	416	403	396
BEL	418	447	435	427	415	407	395	387
CDSL	1348	1449	1407	1378	1336	1307	1265	1236
DATAPATTERN	4490	5013	4863	4676	4526	4339	4189	4002
ESCORTS	2971	3177	3100	3035	2958	2893	2816	2751
EICHERMOTOR	7329	8307	7956	7643	7292	6979	6628	6315
FEDERAL BANK	328	346	340	334	328	322	316	310
GRINFRAPOJECT	914	992	974	944	926	896	878	848
HDFCBANK	801	822	814	808	800	794	786	780
HCLTECH	1140	1318	1239	1189	1110	1060	981	931
HINDUNILVR	2202	2378	2307	2255	2184	2132	2061	2009
HAL	4427	4761	4632	4529	4400	4297	4168	4065
HYUNDAI	1993	2153	2076	2035	1958	1917	1840	1799
IOC	141	150	147	144	141	138	135	132
ICICIBANK	1413	1487	1454	1433	1400	1379	1346	1325
INFY	1048	1169	1119	1083	1033	997	947	911
ITC	290	300	296	293	289	286	282	279
KOTAKBNK	397	420	412	405	397	390	382	375
LICHOUSING	554	592	581	567	556	542	531	517
LT	4026	4421	4337	4181	4097	3941	3857	3701
LUPIN	2470	2655	2567	2519	2431	2383	2295	2247
MARUTI	14343	15982	15266	14804	14088	13626	12910	12448
M&M	3138	3333	3263	3201	3131	3069	2999	2937
MGL	1131	1272	1242	1186	1156	1100	1070	1014
MAZGAONDOC	2542	2773	2685	2613	2525	2453	2365	2293
PFC	425	444	439	432	427	420	415	408
RECLTD	366	381	377	371	367	361	357	351
RELIANCE	1305	1340	1327	1316	1303	1292	1279	1268
SBIN	1041	1094	1077	1059	1042	1024	1007	989
SUNPHARMA	1907	2005	1965	1936	1896	1867	1827	1798
SHRIRAMFINANCE	1062	1138	1110	1086	1058	1034	1006	982
TITAN	4469	4802	4654	4562	4414	4322	4174	4082
TCS	2088	2283	2199	2144	2060	2005	1921	1866
TATAMOTORS	345	369	362	354	347	339	332	324
UPL	607	1356	984	796	424	236	-136	-324
VALIENT	273	316	303	288	275	260	247	232
WIPRO	176	189	183	180	174	171	165	162

बिटकॉइन $59,000 के नीचे फिसला: मजबूत डॉलर और फेड अनिश्चितता ने बढ़ाई चिंता

निवेशकों के लिए सतर्क संकेत: क्रिप्टो मार्केट में उतार-चढ़ाव, डॉलर की मजबूती और नीतिगत अनिश्चितता से दबाव

मुंबई: बिटकॉइन की कीमत 59,000 डॉलर से नीचे गिर गई है। मजबूत अमेरिकी डॉलर और अमेरिकी फेडरल रिजर्व की ब्याज दर नीति पर बनी अनिश्चितता से निवेशक सतर्क हो गए हैं।

पिछले कुछ दिनों में बिटकॉइन में काफी उतार-चढ़ाव देखा गया। वैश्विक स्तर पर जोखिम से बचने की प्रवृत्ति बढ़ने से क्रिप्टोकरेंसी पर दबाव बना हुआ है। अमेरिकी डॉलर इंडेक्स मजबूत होने और फेड की आगामी नीति बैठक की अनिश्चितता ने बाजार की धारणा को प्रभावित किया है।

भारतीय निवेशक भी क्रिप्टोकरेंसी में सतर्क रुख अपना रहे हैं। हालांकि, कुछ विश्लेषकों का मानना है कि लंबी अवधि में बिटकॉइन की मजबूत बुनियाद बनी हुई है।

यह गिरावट अल्पावधि की है, लेकिन निवेशकों को सतर्क रहना चाहिए। क्रिप्टोकरेंसी उच्च जोखिम वाली परिसंपत्ति है।

निवेशक अपने पोर्टफोलियो में क्रिप्टो को सीमित मात्रा में रखें। लंबी अवधि के निवेशक बिटकॉइन और अन्य प्रमुख क्रिप्टोकरेंसी पर नजर रखें। वैश्विक आर्थिक स्थिति, फेड की नीति और डॉलर की ताकत पर नजर रखना जरूरी है।

कुल मिलाकर, क्रिप्टो बाजार में उतार-चढ़ाव जारी रहेगा, लेकिन सही समय पर निवेश करने वाले निवेशकों को अच्छा रिटर्न मिल सकता है।

Disclaimer: This content is for educational purposes only. Investments are subject to market risks. Please conduct your own research or consult a qualified financial advisor before making any investment decisions.Investments are subject to market risks. Please conduct your own research or consult a qualified financial advisor before making any investment decisions.

प्रकाशक एवं मुद्रक: प्रदीप कारबेलकर, सी-101, नेहरू नगर स्वत्वाधिकार द इन्वेस्टमेंट एवेन्यूज प्रा.लि., इ-4, अरेरा कॉलोनी, भोपाल, मध्य प्रदेश 462016, से प्रकाशित एवं DigitalLok, सागर हाई स्ट्रीट, अयोध्या बायपास रोड, डी मार्ट के पास, भोपाल, (म.प्र.) - 462010। संपादक: प्रदीप कारबेलकर (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल होगा)। फोन: +9198262 23075 वेबसाइट: www.investmentavenues.in